BSES RAJDHANI BSES YAMUNA

एक सीएफएल खरीदो, एक मुफ्त पाओ स्कीम अब 30 जून तक

- बीएसईएस स्टॉल्स पर बेचे जा चुके हैं 3.5 लाख से अधिक सीएफएल
- इतने सीएफएल से बिजली की मांग में आएगी 23 मेगावॉट की कमी
- ग्रीनपीस इंडिया के मुताबिक, सीएफएल का उपयोग कर देश बचा सकता है 12 हजार मेगावॉट
- ऑस्ट्रेलिया व क्यूबा में पुराने बल्ब प्रतिबंधित, 2010 तक इंग्लैंड में भी हो जाएंगे बैन
- लोगों की मांग पर और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए स्कीम आगे बढ़ाई गई

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। अपने उपभोक्ताओं की ओर से आ रही जबरदस्त मांग को देखते हुए बीएसईएस ने अपनी एक *सीएफएल खरीदो, एक मुफ्त पाओ स्कीम* को आगे बढ़ा दिया है। अब यह स्कीम ३० जून तक चलेगी। यह स्कीम 25 अक्टूबर, 2006 को शुरू की गई थी। इसे एक बार पहले भी आगे बढ़ाया जा चुका है।

इंडो एशियन फ्यूजगियर के साथ मिलकर शुरू की गई इस स्कीम के तहत पिछले करीब पांच महीनों के दौरान 3.5 लाख सीएफएल बेचे जा चुके हैं। ये सीएफएल बीएसईएस के 52 स्टॉलों पर मिल रहे हैं। इतने सीएफएल से दिल्ली में बिजली की मांग में 23 मेगावॉट की कमी आएगी। इससे दिल्ली को वार्षिक तौर पर 33 मिलियन यूनिट बिजली की बचत होगी।

अब तक के आंकड़ों के हिसाब से पश्चिमी दिल्ली के उपभोक्ताओं ने सबसे ज्यादा 1.32 लाख सीएफएल खरीदे हैं, जबकि दक्षिणी दिल्ली के उपभोक्ताओं ने 1.13 लाख सीएफएल लिए। वहीं, पूर्वी दिल्ली में 89 हजार सीएफएल बिके और मध्य दिल्ली में 18 हजार।

15 वॉट के सीएफएल (75 वॉट के सामान्य बल्ब के जितनी रोशनी, कीमत- 150 रूपये में 2) सबसे ज्यदा 1.47 लाख बिके। उसके बाद 20 वॉट के सीएफएल (100 वॉट के पुराने बल्ब के बराबर रोशनी और कीमत- 200 रूपये में 2) का नंबर आता है। 20 वॉट के 1 लाख सीएफएल बिके हैं। 11 वॉट के सीएफएल (60 वॉट के सामान्य बल्ब के बराबर रोशनी और कीमत- 135 रूपये में 2) तीसरे नंबर पर हैं। 11 वॉट के 99 हजार सीएफएल बिके हैं।

सीएफएल का इस्तेमाल कर उपभोक्ता न सिर्फ बिजली की बचत कर सकता है, बल्कि उसे पैसों की भी बचत होती है। *अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि यदि चार पुराने बल्बों की जगह सीएफएल लगा दिए जाएं, तो उपभोक्ता को सालाना 1560 रूपये की बचत होगी। सीएफएल का इस्तेमाल कर दिल्ली 450 मेगावॉट की बिजली की बचतकर सकती है, जो इस वक्त दिल्ली में बिजली की जितनी कमी है, उसे पूरा करने के लिए पर्याप्त है।*

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वक्त देश में 14 हजार मेगावॉट बिजली की कमी चल रही है। वहीं ग्रीनपीस इंडिया ने कहा है कि सीएफएल का इस्तेमाल कर भारत 12 हजार मेगावॉट बिजली की बचत कर सकता है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया और क्यूबा में पुराने बल्बों को प्रतिबंधित कर दिया गया है और 2010 तक इंग्लैंड में भी यह प्रतिबंधित होने जा रहा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने ग्राहकों को गुणवत्तायुक्त और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ	सुमोना दास	चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस	कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस	कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999870/ 9312007822	39999317/ 9350718325	39999088/ 9350130304